विष्णु पंजर स्तोत्र संस्कृत लिरिक्स| श्री विष्णु पंजर स्तोत्र संस्कृत लिरिक्स| श्रीविष्णुपञ्जरस्तोत्रम् हिंदी लिरिक्स | श्रीविष्णुपञ्जरस्तोत्रम् हिन्दी अर्थ सहित | ॥श्रीविष्णुपञ्जरस्तोत्रम्॥ Shri Vishnu Panjara Stotram with hindi meaning| ShriVishnuPanjaraStotram Lyrics| विष्णु पंजर स्तोत्र| आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए प्रतिदिन करें श्रीविष्णुपञ्जरस्तोत्रम् का पाठ | जीवन में धर्म,अर्थ , काम ओर मोक्ष की सिद्धि के लिए करें “विष्णुपंजर स्तोत्र” का पाठ| शुभ दिनों , विशेष पर्वों , एकादशी आदि के दिन विष्णुपंजरस्तोत्र का पाठ करने से मिलता है विशेष फल | गरुड़ पुराण में वर्णित श्री विष्णु पंजर स्तोत्र

Subscribe on Youtube: The Spiritual Talks

Follow on Pinterest: The Spiritual Talks

श्री विष्णु पंजर स्तोत्र संस्कृत लिरिक्स

॥हरिरुवाच॥

प्रवक्ष्याम्यधुना ह्येतद्वैष्णवं पञ्जरं शुभम्।
नमोनमस्ते गोविन्द चक्रं गृह्य सुदर्शनम् ॥१॥

प्राच्यां रक्षस्व मां विष्णो !त्वामहं शरणं गतः।
गदां कौमोदकीं गृह्ण पद्मनाभ नमोऽस्त ते॥२॥

याम्यां रक्षस्व मां विष्णो !त्वामहं शरणं गतः।
हलमादाय सौनन्दे नमस्ते पुरुषोत्तम॥ ३॥

प्रतीच्यां रक्ष मां विष्णो !त्वामह शरणं गतः।
मुसलं शातनं गृह्य पुण्डरीकाक्ष रक्ष माम्॥४॥

उत्तरस्यां जगन्नाथ !भवन्तं शरणं गतः।
खड्गमादाय चर्माथ अस्त्रशस्त्रादिकं हरे !॥५॥

नमस्ते रक्ष रक्षोघ्न !ऐशान्यां शरणं गतः।
पाञ्चजन्यं महाशङ्खमनुघोष्यं च पङ्कजम्॥६॥

प्रगृह्य रक्ष मां विष्णो आग्नेय्यां रक्ष सूकर।
चन्द्रसूर्यं समागृह्य खड्गं चान्द्रमसं तथा॥७॥

नैर्ऋत्यां मां च रक्षस्व दिव्यमूर्ते नृकेसरिन्।
वैजयन्तीं सम्प्रगृह्य श्रीवत्सं कण्ठभूषणम्॥८॥

वायव्यां रक्ष मां देव हयग्रीव नमोऽस्तु ते।
वैनतेयं समारुह्य त्वन्तरिक्षे जनार्दन !॥९॥

मां रक्षस्वाजित सदा नमस्तेऽस्त्वपराजित।
विशालाक्षं समारुह्य रक्ष मां त्वं रसातले॥१०॥

अकूपार नमस्तुभ्यं महामीन नमोऽस्तु ते।
करशीर्षाद्यङ्गुलीषु सत्य त्वं बाहुपञ्जरम्॥११॥

कृत्वा रक्षस्व मां विष्णो नमस्ते पुरुषोत्तम।
एतदुक्तं शङ्कराय वैष्णवं पञ्जरं महत्॥१२॥

पुरा रक्षार्थमीशान्याः कात्यायन्या वृषध्वज।
नाशायामास सा येन चामरान्महिषासुरम्॥१३॥

दानवं रक्तबीजं च अन्यांश्च सुरकण्टकान्।
एतज्जपन्नरो भक्त्या शत्रून्विजयते सदा॥१४॥

॥इति श्रीगारुडे पूर्वखण्डे प्रथमांशाख्ये आचारकाण्डेविष्णुपञ्जरस्तोत्रं नाम त्रयोदशोऽध्यायः॥

इस प्रकार श्रीगरुड़पुराण आचारकाण्ड अध्याय १३ में वर्णित विष्णु पंजर स्तोत्र सम्पूर्ण हुआ।

Be a part of this Spiritual family by visiting more spiritual articles on:

The Spiritual Talks

For more divine and soulful mantras, bhajan and hymns:

Subscribe on Youtube: The Spiritual Talks

For Spiritual quotes , Divine images and wallpapers & Pinterest Stories:

Follow on Pinterest: The Spiritual Talks

For any query contact on:

E-mail id: thespiritualtalks01@gmail.com